डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 195 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 01 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

तीन सौ ग्राम एमडी के साथ मां-बेटी गिरफ्तार

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ पुलिस ने महू-नीमच राजमार्ग से तीनसौ ग्राम एमडी के साथ दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनो आपस में मां-बेटी है।

पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना मिलने पर नीमच मंदसौर हाईवे बांडा खाल पुलिया श्मशान के सामने मल्हारगढ़ पर दबिश दी गई। यहां दो महिला मेराज बी पति मंगतिया नियारगर निवासी नई आबादी मुल्तानपुरा थाना वायडीनगर व नाजनीन पिता मंगतिया नियारगर नई आबादी मुल्तानपुरा थाना वायडीनगर जिला मंदसौर की तलाशी ली गई। जिसमें बैग मे रखी प्लास्टिक की थैली से कुल 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स जब्त की गई। पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरु की है।

आखातीज से चारधाम यात्रा का श्रीगणेश

गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट खुले, केदारनाथ के कल और बद्रीनाथ के 04 मई को खुलेंगे

हरिद्वार, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अक्षय तृतीया अर्थात आखातीज के पावन अवसर पर चारधाम यात्रा 2025 की विधिवत शुरुआत हो गई। बुधवार को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। गंगा की डोली गंगोत्री पहुंची और वहां सुबह 10:57 बजे कपाट खोले गएं वहीं यमुनोत्री धाम के कपाट सुबह 11:55 बजे खोले गए। दोनों धामों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। गंगोत्री में हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा भी हुई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं गंगोत्री धाम पहुंचे और पूजा में भाग लिया। यहां करीब 01 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहले दिन उपस्थित रहे, जबकि यमुनोत्री में पहले ही दिन 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद कायम रही। चारधाम यात्रा के दो अन्य धामों केदारनाथ के कपाटकल 02 मई को और बद्रीनाथ के कपाट 04 मई को खोले जाएंगे। पिछले साल भारी बारिश और भूस्खलन की वजह से केदारनाथ यात्रा 15 दिनों तक बाधित रही थी, इसके बावजूद 48.11 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। इस बार अब तक 20 लाख श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं, और सरकार को उम्मीद है कि यह आंकड़ा 60 लाख से ऊपर पहुंच सकता है।

कॉलेज पहुंचने के बाद मिली स्कूल यूनिफार्म..!

भोपाल/मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सीएम राइज स्कूलों की शानदार बिल्डिंग और शानदार परिवहन सेवा है। लेकिन, मात खा रहे स्कूल यूनिफार्म में। जैसा कि अन्य सरकारी स्कूलों में हो रहा है। सीएम राइज स्कूलों में छात्रों से एडवांस में करोड़ो रुपए लेकर भी उन्हें समय से स्कूल ड्रेस नहीं दे पा रहे है। आलम यह है कि शिक्षण सत्र 2024-25 की ड्रेस यह सत्र समाप्त होने के बाद अप्रैल में बच्चों को मिल पाई है, जिससे कक्षा 12वीं के सेकड़ो बच्चों के लिए ये अनुपयोगी हो गई है। कारण उनका स्कूली शिक्षा का ये आखिरी साल था, अब वे कॉलेज में प्रवेश लेंगे।

दरअसल सरकार कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों को नि:शुल्क गणवेश उपलब्ध कराती है। जबकि, कक्षा 9वीं से 12वीं के बच्चों को ड्रेस खुद खरीदना होती है। सत्र 2024-25 में प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के एक लाख 54 हजार छात्र छात्राओं से प्रवेश के समय (जुलाई 2024) गणवेश शुल्क के रुप में 19.62 करोड़ रुपए एडवांस में ले लिए। लेकिन, उन्हें ड्रेस पूरे साल नहीं दी गई। सालभर बच्चे स्कूल ड्रेस का इंतजार करते रहे। वहीं नया शिक्षण सत्र 2025-26 प्रारंभ होने पर अब उन बच्चों को पुराने सत्र की ड्रेस बांटी जा रही है, जिससे छात्रों और अभिभावकों में नाराजगी है। वहीं इस देरी की वजह से कक्षा 12वीं के 34 हजार बच्चों के लिए ये ड्रेस पूरी तरह से बेकार हो गई है।

एडवांस रुपए लेकर भी नहीं दे पा रहे ड्रेस

नियम: जब गणवेश दें तभी लें शुल्क, प्राचायों की मजबूरी मांग के साथ कटती है राशि...

नियम ये है कि जब बच्चे को गणवेश दी जाए, तभी उससे उसका पैसा लिया जाए। लेकिन, जुलाई में स्कूल प्राचार्यो को कितने साइज की कितनी ड्रेस चाहिए, इसके लिए पोर्टल पर एंट्री कर मांग करना होती है। वहीं लोक शिक्षण संचालनालय जब सीएम राइज स्कूलों को वार्षिक बजट देता है, उसमें वह मांग की गई ड्रेस की राशि काट लेता है। ऐसे में प्राचार्यों को डर रहता है कि कहीं बच्चे ने बाद में ड्रेस लेने से इंकार कर दिया तो वह इस राशि की पूर्ति कैसे करेंगे? इसके चलते वे प्रवेश के समय ही बच्चों से गणवेश का शुल्क ले लेते हैं।

ड्रेस आने में देरी की वजह...

बता दें कि लोक शिक्षण संचालनालय प्रदेश के सभी सीएम राइज स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 1.54 लाख छात्र-छात्राओं की ड्रेस बनाने वाली फर्म का चयन समय से नहीं कर पाया। पहले ड्रेस बनाने के लिए नई फर्म का चयन करने के लिए टेंडर करने का निर्णय लिया गया। बाद में तय हुआ कि सत्र 2023-24 में ड्रेस की सप्लाई कर चुकी भीलवाड़ा की फर्म सुविधि रियांस को ही जिम्मेदारी दी जाए। ऐसे में उस फर्म का एक वर्ष का एक्सटेंशन किया गया, जिससे वर्कऑर्डर ही नवंबर महीने के दूसरे सप्ताह में जारी हो पाया। इसके बाद कंपनी ने ड्रेस बनाने और उसकी सप्लाई का कार्य शुरु किया, जिसके चलते पूरा शिक्षण सत्र (2024-25) गुजरने के बाद बच्चों को अप्रैल में ड्रेस मिल पाई।

12वीं के बच्चों से ही स्कूल ड्रेस के लिए 4.38 करोड़ रुपए...

प्रदेश के 275 सीएम राइज स्कूलों में वर्ष 2024-25 में कक्षा 9वीं से 12 तक के छात्रों की संख्या एक लाख 54 हजार 89 थी, जिसमें कक्षा 12वीं में 19 हजार 668 छात्र और 14 हजार 839 छात्राएं हैं। इन छात्र-छात्राओं से गणवेश शुल्क के रुप में स्कूलों ने चार करोड़ 38 लाख 66 हजार 338 रुपए वसूल किए हैं। हालांकि लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या जो बच्चे इस साल कक्षा 12वीं पास कर स्कूल से बाहर हो जाएंगे, उन्हें गणवेश की राशि लौटाई जाएगी अथवा नहीं?

एक साल में ब्याज से कमाए 98 लाख रुपए...

19.62 करोड़ रुपए पर 5 फीसदी की दर से भी ब्याज मानें तो सरकार छात्रों से वसूले इन रुपयों पर एक साल में 98 लाख रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी होगी। मतलब, सरकार ने छात्रों को यूनिफॉर्म न देकर भी ब्याज कमा लिया।

इनका कहना...

सीएम राइज स्कूलों में ड्रेस सप्लाई में देरी हुई है। पिछले साल जिस फर्म ने सप्लाई की थी, उसी फर्म का एक्सटेंशन किया गया था, जिसमें समय लग गया। 12वीं के जो बच्चे ड्रेस मांगेंगे, उन्हें दी जाएगी, जिन्हें ड्रेस नहीं चाहिए, उनका शुल्क वापस कराने की व्यवस्था की जाएगी।

सुरेश मिश्रा, सहायक संचालक लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल

मंदसौर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी का शव शिप्रा नदी से मिला

उज्जैन, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार शाम शिप्रा नदी से मिले युवक के शव की पहचान मंदसौर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के रूप में हुई है। मृतक दोस्तों के साथ दर्शन करने उज्जैन आया था। वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बुधवार सुबह परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने शव की पहचान करवाने के साथ पोस्टमार्टम कराया है। परिजनो ने युवक की हत्या की आशंका जताई है।

मंगलवार शाम रामघाट स्थित हाथीवाला पंडा के स्थान से कुछ दूरी पर शिप्रा में एक युवक की लाश दिखाई देने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंच लाश को बाहर निकाला गया। मृतक चड्डी पहने हुए था। संभवत: उसकी मौत नहाते समय डूबने से हुई। पुलिस ने घाट पर कपड़ों की तलाश की, लेकिन नहीं मिले। आसपास के लोगों ने भी मृतक युवक की पहचान नहीं की। पुलिस ने गुमशुदा लोगों की जानकारी एकत्रित करना शुरू किया। तभी सामने आया कि मंदसौर की सिद्धचक्र कॉलोनी में रहने वाला कपिल पिता सत्यप्रकाश गर्ग 31 वर्ष उज्जैन दर्शन करने गया था और वापस नहीं लौटा है। जिसकी गुमशुदगी परिजनों ने मंदसौर थाने में दर्ज कराई है। महाकाल पुलिस ने मृतक का फोटो मंदसौर पुलिस को भेजा। जिसे देखने पर उसकी पहचान कपिल गर्ग के रूप में हुई। परिजन बुधवार सुबह उज्जैन पहुंचे। जीजा मनीष ने बताया कि कपिल एक बच्ची का पिता था और ट्रांसपोर्ट का काम करता था। दोस्तों के साथ महाकाल दर्शन करने का बोलकर आया था। उसने पत्नी को भी मोबाइल पर कॉल कर उज्जैन में होने की बात कही थी। लेकिन, उसके दोस्त गायब हैं। जिन्होंने परिजनों को घटना की सूचना तक नहीं दी।

मामले में महाकाल थाना सीएसपी राहुल देशमुख का कहना था कि मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने पर मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। परिजनों ने दोस्तों के साथ आने की बात कही है, जांच के दौरान उनकी जानकारी जुटाकर बयान दर्ज किए जाएंगे। मृतक और उसके दोस्त कार से उज्जैन आए थे तो आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी केमरा से संबंधित कार और उसके चालक की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

आज से स्कूलों की छुट्टी, निजी विद्यालयों का भरोसा नहीं...!

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आज 01 अप्रैल से स्कूलों की छुट्टी शुरु हो गई है। प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टी की घोषणा कर दी है। इस बीच छात्रों को गर्मी से राहत मिलेगी। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन छुट्टियों की घोषणा हुई है। 01 मई से लेकर 15 जून तक विद्यार्थियो को 46 दिन की छुट्टी मिलने वाली है। जबकि शिक्षकों को एक महीने की छुट्टी मिलेगी।

इधर मई में बैंककर्मी भी एक सप्ताह से ज्यादा समय छुट्टी पर रहेंगे। 02 मई को शंकराचार्य जयन्ती से लेकर 25 मई 2025 साप्ताहिक अवकाश तक कई दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इधर निजी विद्यालयो का कोई भरोसा नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलो में अवकाश शुरु हो गए है। लेकिन, शहरी क्षेत्र के निजी विद्यालयो में भारी गरमी के बावजूद बच्चो को स्कूलो में बुलाया जा रहा है।

गरमी का कहर... अंचल में तीन स्थानों पर आग लगी

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अप्रैल माह का अंतिम दिन अक्षय तृतीया कई लोगो के लिये अंधेरा का कारण रहा। तापमान में बढ़ोतरी के कारण लगातार आगजनी की घटनाएं सामने आ रही है। बुधवार सुबह अंचल के तीन स्थानों पर आगजनी की घटनाएं सामने आई है। इसमें एक किराना दुकान के अलावा किसान का बाड़ा और चलता हुआ डंपर शामिल है। किराने की दुकान में लगी आग में लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। वहीं बाड़े में आगजनी से मवेशियों की मौत होने की जानकारी सामने आई है।

मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चंदवासा में कमलेश सोलंकी की किराने की दुकान में आग लग गई। सूचना मिलने पर पिपलिया मंडी और मल्हारगढ़ से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। उससे पहले लोगों ने आग पर काबू पाने के प्रयास शुरु कर दिए। हालांकि फायर ब्रिगेड से जब तक आगजनी पर काबू पाया जाता, तब तक लाखों का सामान जलकर राख हो गया था। आगजनी की घटना में करीब दस लाख का नुकसान बताया जा रहा है।

किराना दुकान, किसान के मवेशी और डंपर हुए स्वाहा

किराना दुकान में आग पूरी तरह से नियंत्रित नहीं हो पाई थी कि पिपलिया मंडी थाना क्षेत्र के गुड़भेली में आगजनी की सूचना मिली। एक किसान के घर के बाड़े में आग लग गई। जिससे मवेशियों की मौत की खबर है। इसके अलावा उपज और मवेशियों का चारा जलकर राख हो गया। एक अन्य घटना अफजलपुर थाना क्षेत्र के जोगीखेड़ा में हुई। यहां एक डंपर में आग लग गई। समय रहते डंपर चालक ने कूदकर खुद की जान बचाई। डंपर में मिट्टी भरी थी, जो किसी तालाब से निकाली गई थी। ग्रामीणों ने आग पर अपने स्तर पर काबू पाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी गई थी। लेकिन, काफी समय तक फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंच पाई थी। डंपर का केबिन भी पूरी तरह जल गया।

सात साल की बच्ची से छेड़छाड़ का मामला...

आरोप:टीआई ने समझौते के लिए बनाया दबाव

मासूम के साथ धरने पर बैठा पीड़ित परिवार

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले के शामगढ़ में 07 साल की बची के साथ हुई छेड़छाड़ के मामले में थाना प्रभारी धर्मेंद्र शिवहरे की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि थाना प्रभारी ने पीड़ित परिवार पर समझौते के लिए दबाव बनाया। जिससे आक्रोशित पीड़ित परिवार मासूम के साथ चिलचिलाती धूप में धरने पर बैठ गया।

जानकारी मिलने पर विधायक हरदीपसिंह डंग ने भी संज्ञान लेते हुए पुलिस कप्तान को पूरे मामले से अवगत कराने की बात कही है तो वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार भी धरना स्थल पर पहुंची।

उन्होंने भी पुलिस कप्तान को इस संबंध में सूचना देकर जांच की मांग की। वहीं इस मामले में टीआई ने आरोपो को निराधार बताया। हालांकि इस मामले में पुलिस ने आरोपी नाबालिग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी।

महिला अपराधों को लेकर सरकार जहां सख्त नजर आ रही है। वहीं शामगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली और उस पर लग रहे आरोप पुलिस की कार्यवाही को सवालों के कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। मामला 07 साल की बची के साथ छेड़छाड़ का है। जिसको लेकर महिला और बची सहित परिवार धरने पर बैठ गया। पूरे मामले के अनुसार शामगढ़ में 07 साल की मासूम के साथ पड़ोस में रहने वाले 17 साल के नाबालिग ने छेड़छाड़ की। बची के पिता का आरोप है कि जब वे रिपोर्ट लिखवाने थाने पहुंचे तो थाना प्रभारी ने समझौता करने का दबाव बनाया। अब परिवार न्याय की मांग को लेकर बस स्टैंड स्थित मंदिर के सामने धरने पर बैठा है। घटना 25 अप्रैल रात की है। बची के माता-पिता उसी रात थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने आरोपी को 25-26 अप्रैल की रात राउंडअप कर अगली सुबह न्यायालय में पेश किया। चूंकि आरोपी नाबालिग था, इसलिए उसे रतलाम के बाल संप्रेषण गृह भेजा गया।

समझौते का दबाव...

घटना के 04 दिन बाद यह मामला तब सुर्खियों में आया जब बची के पिता ने शामगढ़ थाना प्रभारी धर्मेंद्र शिवहरे पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि थाने में एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे तो टीआई ने उन्हें घंटों बैठाए रखा। इसके बाद टीआई ने कहा कि ऐसे मामलों में थाने पर नहीं आते हैं। बाहर समझौता कर लेना चाहिए। अपनी बेटी को कोर्ट के चक्कर लगवाओगे यह अच्छी बात नहीं है।

सीएम निवास के सामने दूंगा धरना...

टीआई की कार्यप्रणाली के विरोध में बुधवार को बची की मां उसे लेकर शामगढ़ बस स्टैंड स्थित शिव-हनुमान मंदिर के सामने धरने पर बैठ गई। पिता का कहना है कि अगर तीन दिन में टीआई पर कार्रवाई नहीं हुई, तो भोपाल जाकर मुख्यमंत्री निवास के सामने धरना दूंगा।

इनका कहना...

बची के परिवार के आते ही हमने तुरंत महिला अधिकारी बुलाकर कार्रवाई की। बची का मेडिकल कराया गया और आरोपी को उसी रात पकड़ा गया। अगले दिन उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे बाल संप्रेषण गृह भेजा गया।

धर्मेंद्र शिवहरे, टीआई, शामगढ़

पिता का आरोप है कि उसके साथ पुलिस ने अभद्रता की है। मामले को एसपी के संज्ञान में लाया गया है। जांच के बाद उचित कार्रवाई इस मामले में होगी।

हरदीपसिंह डंग, विधायक

सात साल की बेटी को लेकर मां धरने पर बैठी है। कहीं न कहीं यह शासन और जनप्रतिनिधियों के लिए चिंता का विषय है। इसको लेकर एसपी से चर्चा की गई है। उन्होंने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। दोषी होने पर टीआई के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमती दुर्गा डा. विजय पाटीदार, अध्यक्ष जिला पंचायत मंदसौर

तपन के साथ बिजली की डिमांड बढ़ी

मालवा-निमाड़ में 6.50 फीसदी उछाल

इंदौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पिछले एक वर्ष में मालवा-निमाड़ यानि पश्चिम मप्र में औद्योगिक उच्चदाब की बिजली मांग में औसत 6.50 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके बाद इसी के अनुरूप बिजली की आपूर्ति की गई। औद्योगिक उच्चदाब कनेक्शनों को पिछले वर्ष की तुलना में 53 करोड़ यूनिट बिजली की ज्यादा आपूर्ति हुई। वहीं बिजली कंपनी को करीब 430 करोड़ रूपए ज्यादा राजस्व मिला है। बिलिंग की नजर से देखा जाए तो पूरे वर्ष में बिजली कंपनी को वित्तीय वर्ष में औद्योगिक उच्चदाब कनेक्शनों को दी गई बिजली से 6600 करोड़ रुपए का राजस्व मिला है।

प्रति माह औद्योगिक उच्च दाब कनेक्शनों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। अब यह संख्या 4 हजार 725 हो गई है। इन कनेक्शनों में से भी 3 हजार 900 से ज्यादा रतलाम, मंदसौर, नीमच, इंदौर शहर, इंदौर ग्रामीण, पीथमपुर, उज्जैन, देवास शामिल है। पिछले वित्तीय वर्ष में औद्योगिक उच्चदाब कनेक्शनों को कुल 821 करोड़ यूनिट बिजली दी गई, यह वित्तीय वर्ष 2023-24 में 768 करोड़ यूनिट थी। हाल ही में समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान बारह माह में औद्योगिक उच्चदाब कनेक्शनों के सबसे ज्यादा बिजली आपर्ति फरवरी में 82 करोड़ यूनिट रही। जबकि, सबसे कम आपूर्ति वाला माह नवंबर 2024 रहा, नवंबर में 61 करोड़ यूनिट की आपूर्ति रही थी।

करोड़ो की बिलिंग...

पूरे वित्तीय वर्ष में औद्योगिक उच्चदाब कनेक्शनों को दी गई बिजली की कुल 6600 करोड़ रूपए की बिलिंग की गई। वर्तमान में इंदौर, रतलाम, उज्जैन, पीथमपुर, देवास आदि क्षेत्र में औद्योगिक, उच्चदाब के नए कनेक्शन की सतत मांग बनी हुई है, यहां सतत कनेक्शन भी तय समय में दिए जा रहे हैं। उच्चदाब कनेक्शनों की आपूर्ति, बिलिंग, इन्हें शासकीय नियमानुसार छूट या सहायता देने के लिए विशेष रूप से वरिष्ठ अधिकारी पदस्थ हैं, जो उद्योगपतियों, उद्योग संचालकों से सतत संपर्क में बने रहते हैं।

इनका कहना...

औद्योगिक क्षेत्र में सतत बिजली देने के लिए हर प्रकार से मदद की जा रही है। इससे गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष खपत में वृद्धि हुई है। किसी प्रकार की समस्या होने पर उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर 1912 पर मदद ले सकते है।

अनूप कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक, मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, इंदौर

पाइप लाइन फूटी, 66 हजार गैलन पानी व्यर्थ बहा

पिपलियामंडी, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रेलवे दोहरीकरण कार्य के दौरान खात्याखेड़ी मार्ग पर बड़ी पुलिया के नीचे नगर परिषद् की पेयजल पाइप लाइन फूट गई। इस कारण नगर में पेयजल सप्लाय नही हो पाया। जानकारी के अनुसार बड़ी पुलिया के नीचे रेलवे दोहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान पोकलेन से खुदाई की मिट्टी के ढेर लगाए गए, पोकलेन पाइप लाइप के टच होने तथा मिट्टी का ढेर गिरने से पेजयल पाइप लाइन फूट गई। जिससे 66 हजार गैलन पानी व्यर्थ बह गया। सीएमओ प्रवीण सेन ने बताया नगर परिषद् कर्मचारी लाइन को दुरस्त करने में लगे हुए है। संभावना है, गुरुवार शाम तक लाइन को ठीक कर दिया जाएगा।

विचार-मंथन

आखिर कब थमेगा आतंक का सिलसिला?

पहलगाम हमले के बाद आम जनभावना यही है कि दहशतगर्दों को पोसने वाले पाकिस्तान के खिलाफ कोई निर्णायक कदम उठाया जाए। स्पष्ट है कि वहां की सेना आतंकवादियों को प्रशिक्षण और संरक्षण देती है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि कश्मीर घाटी में आतंकवादी गतिविधियों पर विराम नहीं लग पाया है। पिछले हफ्ते पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश है। दुनिया के बहुत सारे देशों ने इसकी निंदा की है। उस हमले में छब्बीस लोग मारे गए। इसकी प्रतिक्रिया में भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। कश्मीर घाटी में सुरक्षा व्यवस्था चौकस कर दी गई है। पूरे कश्मीर ने इस घटना के विरोध में बंद रखा और आतंकवाद के खिलाफ जगह-जगह जुलूस निकाले गए। इसके बावजूद घाटी में अगर आतंकवादियों के मंसूबे कमजोर नहीं पड़े हैं, तो स्वाभाविक ही सुरक्षा इंतजाम को लेकर फिर से सवाल सिर उठाने लगे हैं। गौरतलब है कि कुपवाड़ा में संदिग्ध आतंकवादियों ने एक समाजसेवक के घर में घुस कर उसे गोली मार दी। छिपी बात नहीं है कि घाटी में आतंकवादी हमलों के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। हालांकि वह बार-बार अपने को पाक-साफ साबित करने की कोशिश करता है, भारत के प्रति सहयोग का दिखावा भी करता है, पर दुनिया की नजरों से उसकी हकीकत छिपी नहीं है। पहलगाम के बाद कुपवाड़ा में इस तरह घर में घुस कर हमला करने के पीछे दहशतगर्दों की मंशा साफ है। वे संदेश देना चाहते हैं कि उनके मंसूबे कमजोर नहीं पड़े हैं। मगर सवाल है कि वहां तैनात खुफिया एजंसियों और सुरक्षा बलों से क्यों और कैसे चूक हो रही है कि वे आतंकवादियों की साजिशों को समय रहते समझ नहीं पा रहे। पहलगाम हमले के पीछे बड़ा कारण सुरक्षा इंतजाम में घोर लापरवाही थी। इसके लिए सरकार ने सर्वदलीय बैठक में अफसोस भी जताया और इसे तुरंत दुरुस्त कर लेने का आश्वासन दिया। इस वक्त वहां राष्ट्रीय सुरक्षा एजंसी घटना की जांच में जुटी है। पूरी घाटी में सुरक्षाबलों की संख्या बढ़ा दी गई है। खुफिया एजंसियां चौकस हैं। इसके बावजूद अगर आतंकी किसी घर में घुस कर हमला करने में कामयाब हो जाते हैं, तो स्वाभाविक ही आतंकवाद से लड़ने संबंधी हमारी तैयारियों पर अंगुलियां उठेंगी। नौ वर्ष पहले नोटबंदी हुई, तो दावा किया गया था कि इससे आतंकियों की कमर टूट जाएगी। फिर अनुच्छेद तीन सौ सत्तर खत्म करने के बाद भी लगातार कहा जाता रहा कि घाटी में आतंकवाद लगभग अपने अंतिम दौर में है। मगर हकीकत यह है कि इस अवधि में कई बड़ी आतंकी घटनाएं हो गईं, जिसकी ताजा कड़ी पहलगाम की घटना थी। अच्छी बात है कि पहलगाम हमले के बाद सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं और आतंकवाद से निपटने के लिए अधिक कारगर तरीके पर विचार कर रही है। मगर अब तक के अनुभवों से जाहिर है कि आतंकवादी संगठनों को खत्म करने की कोई भी रणनीति अब तक कारगर साबित नहीं हो पाई है। पहलगाम हमले के बाद आम जनभावना यही है कि दहशतगर्दों को पोसने वाले पाकिस्तान के खिलाफ कोई निर्णायक कदम उठाया जाए। स्पष्ट है कि वहां की सेना आतंकवादियों को प्रशिक्षण और संरक्षण देती है। वह खुद को वहां के हुक्मरान से ऊपर समझने लगी है और अपनी समांतर सत्ता चलाती है। ऐसे में, केवल सियासी पहलकदमी नहीं, सीमा पार चल रहे आतंकी ठिकानों को खत्म करने की रणनीति भी बनानी होगी। मगर पहले अपने सुरक्षा घेरे को अभेद्य और खुफिया तंत्र को अचूक बनाने की सख्त जरूरत है।

अब पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थाई इलाज जरूरी

चेतनादित्य आलोक

पहलगाम की घाटी बैसरन में बेहद क्रूरतापूर्ण, दुष्टतापूर्ण, अमानवीय एवं असहनीय घटना को अंजाम देने वाले अत्यंत निर्मम, वीभत्स और दैत्य प्रकृति आतंकवादियों को सभ्य मानव समाज के बीच रहने का कोई अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। यही नहीं, उन्हें मानव बस्तियों और समाज से दूर घने और अंधकारपूर्ण जंगलों में भी नहीं रहने दिया जा सकता, क्योंकि यदि उन्हें वहां रहने दिया गया तो जंगली जानवरों और यहां तक कि स्वयं जंगलों का भी महाविनाश निश्चित ही हो जाएगा। ऐसी परिस्थिति में यह प्रश्न किया जाएगा कि फिर वे कहां पर रहें... जाहिर है कि इस प्रश्न का केवल एक ही उत्तर हो सकता है, और वह है कि उनकी अधोगति को उर्ध्वगति में परिवर्तित कर उनका कल्याण कर दिया जाए। यानी उन्हें भी ऊपर भेज दिया जाए, लेकिन यह मामला इतना सहज भी नहीं है, क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो मानव अधिकारों की बात करने वाले लोग और संगठन उन राक्षसों के भी मानव आकिारों की वकालत करना शुरू कर देंगे। इतना ही नहीं, ये उन राक्षसों के मानव आकिारों की वकालत बेहद जोर-शोर से करेंगे। ऐसा ये इसलिए करेंगे, ताकि उनकी आवाज दूर-दूर तक पहुंच सके, अन्यथा भारत के कोने-कोने तथा दूर देशों में बैठे इनके पैरोकारों, सहयोगियों और हमदर्दों से इन्हें पान-फूल और शाबाशियां कैसे मिल पाएंगी। वैसे, देखा जाए तो हम सब इनके कृत्यों के लिए इन्हें व्यर्थ ही बदनाम करते रहते हैं। वास्तव में, इसमें इनका कोई दोष भी नहीं है, क्योंकि इस प्रकार की वकालत करना तो हमेशा से ही, बल्कि कहा जाए कि इनका खानदानी व्यवसाय रहा है। ...और यही कारण है कि यह व्यवसाय इनसे छुड़ाए नहीं छूटता है। जाहिर है कि पुश्तों से मुंह की लगी इतनी आसानी से कैसे छूटेगी भला। खैर, नहीं छूटती तो, न छोड़ें ये, हम इनके इस मुंह की लगी को छुड़ाने का जिम्मा ले लें, यही उचित है। तात्पर्य यह कि ये अपना कार्य (अपनी वकालत) करते रहें... आतंकवादी भी (अपनी राक्षसी प्रवृति को आगे बढ़ाने का) अपना नियत कार्य करते रहें... और हम सभी 142 करोड़ भारतवासी एकजुट होकर अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से अंजाम तक पहुंचाने के लिए तत्पर रहें, ताकि इनकी मुंह की लगी वकालत को भी सही राह दिखाई जाए और उनकी राक्षसी प्रवृति का समूल नाश भी किया जा सके। स्मरण रहे कि जब तक इनकी मुंह की लगी और उनकी राक्षसी प्रवृति का पूरा-पूरा हिसाब नहीं किया जाएगा, वे हमारे निहत्थे, निर्दोष और मासूम लोगों के साथ धर्म पूछ-पूछकर खून की होली यों ही खेलते रहेंगे। पहलगाम की उस बेहद क्रूरतापूर्ण, दुष्टतापूर्ण, अमानवीय एवं असहनीय घटना के बाद से ही देश की मीडिया में और राजनीतिक मंचों पर बार-बार यह बात कही-सुनी जा रही है कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की है, जबकि सच तो यह है कि पिछले 78 वर्षों से लगातार आतंकवादी धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्याएं करते आ रहे हैं। यदि हम इसे नहीं मानते, तो समझिए कि स्वयं को झूठी तसल्ली दे रहे हैं। दरअसल, यह पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रायोजित धार्मिक (इस्लामिक) जिहाद है, जिसकी शुरूआत लगभग 32 वर्ष पूर्व जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ कस्बे के सरथल इलाके में एक यात्री बस से 17 हिन्दुओं को उनकी जांच-पड़ताल कर मौत के घाट उतार दिया था। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार के बाद यह पहला सबसे बड़ा नरसंहार था। उसके उपरांत तो धर्म पूछकर और जांच-पड़ताल कर हत्याएं करने का जो सिलसिला जम्मू कश्मीर में शुरू हुआ, वह 136 नरसंहारों के बाद भी नहीं थमा है। हालांकि, वर्ष 2006 के उपरांत ऐसे नरसंहारों में थोड़ी बहुत कमी आई थी, लेकिन वर्ष 2023 में एक जनवरी की रात आतंकवादियों ने राजौरी जिले के डांगरी गांव में 07 हिन्दुओं के आधार कार्ड जांच कर मार डालने की घटना ने एक बार फिर अधिकारियों को चौंका दिया था। जम्मू-कश्मीर में हुए हिन्दुओं के कुछ अन्य बड़े नरसंहारों में 13-14 अगस्त 1993 को डोडा जिले के किश्तवाड़ कस्बे में सरथल-किश्तवाड़ मार्ग पर यात्री बस से उतार कर 17 हिन्दू यात्रियों को मारना, 14 मई 1995 को दोहरी भरथ में 06 हिन्दुओं की हत्या करना, 15 जनवरी 1996 को डोडा जिले के किश्तवाड़ कस्बे के बरशाला क्षेत्र में 16 हिन्दुओं की हत्या करना, 12 जनवरी 1996 को डोडा जिले के भद्रवाह कस्बे में 07 हिन्दुओं की हत्या करना, 06 मई 1996 को डोडा की रामबन तहसील के सुम्बर गांव में 17 हिन्दुओं की हत्या करना, 07-08 जून 1996 को डोडा जिले के कमलाड़ी गांव में 09 हिन्दुओं की हत्या करना, 25 जून 1996 को डोडा के सियुधार क्षेत्र में 13 हिंदुओं की हत्या करना, 07 अप्रैल 1997 को कश्मीर घाटी के संग्रामपुरा गांव में 07 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना, 24 सितम्बर 1997 को राजौरी जिले के सवाड़ी गांव में 08 हिन्दुओं की हत्या करना, 26 जनवरी 1998 को कश्मीर के वंदहामा गांव में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना, 16 अप्रैल 1998 को डोडा के देस्सा क्षेत्र में 09 की हत्या करना, 17 अप्रैल 1998 को उधमपुर के प्राणकोट एवं ढाकीकोट गांवों में 29 लोगों की हत्या करना, 05 मई 199 को पुंछ के सुरनकोट क्षेत्र में 05 हिन्दुओं की हत्या करना और 06 मई 1998 को डोडा के देस्सा गांव में 11 सुरक्षा समिति के हिन्दू सदस्यों की हत्या करना शामिल है। इनके अतिरिक्त, 19 जून 1998 को डोडा के चम्पनारी में 29 हिन्दू बारातियों की हत्या करना, जिनमें 03 दूल्हे भी शामिल थे। 27 जुलाई 1998 को डोडा में किश्तवाड़ के छिंजाठकुराई एवं श्रवण गांवों में 20 हिन्दुओं की हत्या करना, 28 जुलाई 1998 को डोडा के सरवान क्षेत्र में 08 लोगों की हत्या करना, 19 फरवरी 1999 को राजौरी जिले के बल-चराल गांव में 09 हिन्दू बारातियों की हत्या करना, 19 फरवरी 1999 को राजौरी में कालाकोट क्षेत्र के बनियारी में 10 हिन्दुओं की हत्या करना, 29 जून 1999 को अनंतनाग के संधू गांव में 12 बिहारी श्रमिकों की हत्या करना,19 जुलाई 1999 को डोडा के काठरी गांव में 05 हिन्दू परिवारों के 15 सदस्यों की हत्या करना, 28 फरवरी 2000 को पुंछ के मेंढर कस्बे में 05 हिन्दुओं की हत्या करना, 29 फरवरी 2000 को काजीगुंड में 05 सिख ट्रक चालकों की हत्या करना, 20 मार्च 2000 को कश्मीर के छत्तीसिंह पोरा में 36 सिखों की हत्या करना, 01 अगस्त 2000 को पहलगाम में 32 हिंदुओं की हत्या करना, जिनमें 29 अमरनाथ यात्री भी शामिल थे, 02 अगस्त 2000 को डोडा के बनिहाल कस्बे के पोगल में 12 हिन्दुओं की हत्या करना तथा 02 अगस्त सन् 2000 को अनंतनाग के अच्छाबल में आठ प्रवासी श्रमिकों की हत्या करना शामिल है।

सिद्धांत पर पाकिस्तान अटल, तो भारत ढुलमुल क्यों?

कमलेश पांडे

जब भारत के तत्कालीन क्षुद्र राजनेताओं ने हिन्दू राष्ट्र की जगह धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र का गठन किया, तब भी सुप्रीम कोर्ट ने इस सवाल क्यों नहीं उठाया, यह दूसरा ज्वलंत प्रश्न है......और आज जब भारत में मुसलमानों द्वारा पुनः हिंदुओं को जगह-जगह प्रताड़ित किया जा रहा है, लक्षित सांप्रदायिक दंगे किये जा रहे हैं जिससे 1947 के पूर्व की विभाजनकारी परिस्थितियों की यादें तरोताजा हो जाती हैं और भारत के राजनेता इस पर अपनी-अपनी सियासी रोटियां सेंक रहे हैं, जिससे भारतीय प्रशासन भी किंकर्तव्यविमूढ़ बना रहता है, तो ऐसे में सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान नहीं लेकर न्यायपूर्ण दिशा निर्देश क्यों नहीं दे रहा है, यह तीसरा सुलगता हुआ सवाल है। दरअसल, यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय दिया है कि भारत के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को भारतीय संसद भी नहीं बदल सकती है। क्योंकि भारतीय संविधान की यही मूल भावना है। लेकिन जब हमारी तत्कालीन संसद ने मूर्खतापूर्ण निर्णय लिए, और उसी ने भारतीय संविधान में भी हिन्दू विरोधी कानून जड़ दिए, तब इसमें तल्ख इतिहास और सुलगते हुए वर्तमान के दृष्टिगत सुप्रीम कोर्ट से न्यायसंगत और दूरदर्शिता पूर्ण हस्तक्षेप की उम्मीद नहीं की जाए तो फिर किससे की जाए, यह भी एक यक्ष प्रश्न है। ऐसा इसलिए कि हमारी संसद में हिन्दू नहीं बल्कि दलित, ओबीसी, सवर्ण और अल्पसंख्यक नेता बैठे हैं। पिछले लगभग 8 दशकों के इनके फैसलों से यह जाहिर हो रहा है कि हिन्दू भारत के अस्तित्व को खास धर्म के आधार पर पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान यानी बंगलादेश, चीन आदि देशों के द्वारा वैमनस्यता पूर्ण चुनौती दी जा रही है, कभी आतंकवाद, कभी नक्सलवाद, कभी संगठित अपराध और तस्करी के माध्यम से भारतीयों को अशांत बनाया जा रहा है, लेकिन इन सबके खिलाफ इनके ठोस नीतिगत निर्णय कभी नहीं आए, जिससे हिंदुओं का भविष्य अपने ही देश में अधर में लटक चुका है। लिहाजा भारतीय कार्यपालिका की विफलता के बाद सर्वोच्च न्यायपालिका से स्वतः संज्ञान लेकर स्थिति को बदलने की अपेक्षा यदि नहीं की जाए, तो फिर किससे की जाए, सुलगता हुआ सवाल है। यह भी तब, जब पाकिस्तानी जनरल और नेता बात-बात में कौम की बात करके भारत के मुसलमानों को भड़काने की कोशिश करते आए हों। वहीं भारत के कतिपय मुसलमान भी खुलेआम पाकिस्तानियों, बंगलादेशियों और आतंकियों के यशोगान पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की शह पर कर रहे हों, जैसा कि मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है। ऐसे में इन देशद्रोहियों के खिलाफ स्पष्ट कानून का अभाव भी हिंदुओं को खटकता रहता है। देश में बढ़ती आतंकवादी घटनाएं, नक्सली घटनाएं और अंडरवर्ल्ड के संगठित अपराध और तस्करी की घटनाएं हिंदुओं की इस चिंता को और भी इसलिए बढ़ाती है, क्योंकि इन सबकी कमान पाकिस्तान में बैठे अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम जैसे खूंखार लोगों के हाथों में है। पुलवामा के बाद पहलगाम आतंकी हिंसा की कहानी बिना कुछ कहे सब कुछ बता जाती है। दरअसल, पाकिस्तान के स्वप्नदृष्टा और निर्माता कायदे आजम मुहम्मद अली जिन्ना का द्विराष्ट्र सिद्धांत यह था कि भारतीय मुसलमान और हिंदू दो अलग-अलग राष्ट्र हैं, जिनके अलग-अलग धर्म, संस्कृति, रीति-रिवाज और जीवन शैली हैं। यह सिद्धांत 1940 में मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन में जिन्ना द्वारा प्रस्तुत किया गया था, और इसे ही भारत के विभाजन और पाकिस्तान के निर्माण का आधार बनाया गया। क्योंकि द्विराष्ट्रवाद के सिद्धांत की अवधारणा के अनुसार, हिंदू और मुसलमान दो अलग-अलग राष्ट्र हैं और उन्हें अलग-अलग देशों में रहने की आवश्यकता है। तब जिन्ना ने तर्क दिया कि भारत में मुसलमानों को हिंदुओं के साथ मिलकर रहने में कठिनाई होगी, क्योंकि उनके धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों में बहुत अंतर है। उल्लेखनीय है कि द्विराष्ट्र सिद्धांत का उदय 1930 के दशक में हुआ, जब भारत में मुस्लिम लीग ने एक अलग मुस्लिम राष्ट्र की मांग करना शुरू कर दिया। तब जिन्ना और मुस्लिम लीग के अन्य नेताओं ने तर्क दिया कि भारत में मुसलमानों को हिंदुओं के साथ मिलकर एक राष्ट्र में रहने में कठिनाई होगी।

जानिए आखिर क्यों पाकिस्तान कर रहा है आतंकवाद फैलाने जैसा 'गंदा काम'?

भारत को पता होना चाहिए कि अंतर्राष्ट्रीय हथियार लॉबी दशकों से उसके पीछे पड़ी है।

आसिफ ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद जो अर्द्धसत्य

यहाँ के लोग भी यह महसूस कर रहे होंगे कि भारत में बढ़ते आतंकवादी हमलों, नक्सली हमलों और अंडरवर्ल्ड के गैंगवार के बाद हमारी सरकार ने आधुनिक हथियार और सुरक्षा उपकरण खरीदी। जब अंतर्राष्ट्रीय महकमे में पाकिस्तान को आतंकवाद पैदा करने की फैक्ट्री मान लिया गया है, तब भी यदि उसके खिलाफ कोई मजबूत वैधिक कार्रवाई नहीं हुई तो ऐसा सिर्फ इसलिए कि वह दुनियावी हथियार और सुरक्षा उपकरण निर्माता कम्पनियों और उनके संरक्षक मूल राष्ट्रों के हाथों का खिलौना बन चुका है। ये देश कोई और नहीं बल्कि अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल, जर्मनी, तुर्किये आदि जैसे देश हैं जिन्हें मौत का सौदागर कहना ज्यादा उचित रहेगा! दरअसल, यह बात मैं नहीं कह रहा हूं बल्कि इसका एक क्लू पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयानों से मिला है, जिसके बाद अपने पाठकों को 'ह' से 'हलंत' तक की बात समझा रहा हूं। वैसे तो भारतीय नेतृत्व के लिए भी यह बात जानना-समझना जरूरी है! हालाँकि उसके पिछले एक दशक के रूख से यही प्रतीत होता है कि वह सबकुछ समझ रहा है और बार-बार दुनिया को यह नसीहत भी दे रहा है कि यह युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध का समय है। ऐसे में संभव है कि भारत को युद्ध की जाल में उलझाकर चीन को बर्बाद करना अमेरिका-ब्रिटेन समेत नाटो देशों की यह एक नई चाल हो, जैसा कि उन्होंने रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़का कर अपना नापाक लक्ष्य पूरा किया। चूँकि चीन-रूस के प्रगाढ़ रिश्तों से अमेरिका-चीन के रिश्ते खटाई में पड़ते जा रहे हैं, वहीं भारत का नेतृत्व रूस, अमेरिका और चीन से एकसमान रिश्ते रखना चाहता है ताकि युद्ध की बजाय विकास को गति दी जा सके। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय जगत के सामने कटोरा लेकर खड़ा रहने वाले देश पाकिस्तान को 'उनके' ही इशारे पर पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम दिलवा दिया, ताकि मोदी सरकार के सब्र की बांध टूटे, फिर वह पाकिस्तान पर हमला करे। तत्पश्चात पाकिस्तान को बचाने चीन आएगा और जब ऐसा होगा तो भारत-चीन के बीच भड़कने वाले युद्ध में पश्चिमी देश भारत का साथ देंगे और फिर जैसे यूक्रेन को उसकी कीमती खनिज सम्पदा के लिए ब्लैक मेल किया कुछ वैसा ही भारत के साथ भी करेंगे। हालाँकि भारत ने इस बार कूटनीतिक सर्जिकल लड़ाई को अपना नया हथियार बनाया और ताबड़तोड़ पांच प्रतिबन्ध उसपर थोप दिए। आगे सबक सिखाने की तैयारी में भारतीय नेतृत्व जुटा हुआ है। इसी बीच घबराए पाकिस्तान ने यानी उसके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद जो अर्द्धसत्य स्वीकार किया है, वह हैरान करने वाला बयान समझा जा रहा है। लेकिन इसके पीछे की एक और कड़वी सच्चाई जिसे वे चालाकी पूर्वक छिपा लिए, वह है अमेरिका का मजबूत अंतर्राष्टीय विकल्प बनते जा रहे चीन और उसके समर्थक उत्तरपूर्वी देशों और मध्य पूर्व के देशों का नाम, जो हर भारतीय को जानना चाहिए! क्योंकि यदि उन्होंने ऐसी साफगोई दिखा दी होती तो चीन के साथ परवान चढ़ रहे रिश्ते खराब हो जाते! यहीं यह भी संभव है कि भारत के कड़े रूख के मद्देनजर उन्होंने जानबुझकर अमेरिका, ब्रिटेन आदि का नाम रणनीतिक रूप से लिया है, क्योंकि पाकिस्तान के साथ उनके रिश्ते अब वैसे प्रगाढ़ नहीं रहे जैसे कि पहले हुआ करता था! ऐसा इसलिए कि पाकिस्तान अब उनके प्रबल प्रतिद्वंद्वी चीन के खेमे में जा चुका है।

आतंकियों के पास धर्म पूछने का वक्त नहीं होताः कांग्रेस विधायक विजय विडेट्टीवार

आज का राशिफल

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5582

2	9			7	4			
	1					4		
6	7		9		5			
	8		2		6			
	6		8	4	7		2	
			5		1		8	
			7		8		9	2
		6					1	
			4	1			5	8

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5581

1	8	5	7	4	9	2	3	6
7	9	4	2	6	3	8	5	1
3	6	2	8	1	5	7	4	9
9	4	7	1	3	8	5	6	2
5	2	1	9	7	6	3	8	4
8	3	6	5	2	4	1	9	7
6	1	3	4	5	2	9	7	8
2	5	8	6	9	7	4	1	3
4	7	9	3	8	1	6	2	5

वर्ग पहेली 5582

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1906 को इस भारतीय क्रांतिकारी ने जन्म लिया था (8)
7. भुना हुआ धान, लावा, खील (2)
8. जंगल, वन, अरण्य (3)
9. सिंह, वीर पुरुष, नाहर, केसरी (2)
11. दावा, फरियाद, अभियोग, मुकदमा (3)
12. डर, भय, आशंका, जोखिम (3)
14. गंध फैलाना (3)
15. चांदी, रजत (3)
16. एक प्रसिद्ध दिवंगत हास्य अभिनेता जिसका बेटा भी अभिनेता-निर्देशक था (2)
17. मिट्टी एवं पानी आदि का लेसदार घोल (2)
20. फर्श आदि पर बिछाई जाने वाली छपी हुई चादर (3)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)
24. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित पेरू देश की यह राजधानी है (2)
25. ताराशंकर बंद्योपाध्याय की एक सुप्रसिद्ध कृति, समूह में बंटे हुए रिश्ता (5)

ऊपर से नीचे

1. चंद्रमा को शिरोभूषण पहनने के कारण भगवान शिव का एक नाम (5)
2. अभिमान, गर्व, डींग, अकड़ (2)
3. अखरना, खटकना, बुरा लगना (3)
4. छोटे-छोटे तारों का समूह, मंदाकिनी (5)
5. प्राण, मूल तत्व, शारीरिक शक्ति, सामर्थ्य (2)
6. खन-खन शब्द होना, खुशी मनाना (5)
10. रात्रि में होने वाला जागरण (4)
13. वायु को यह भी कहा जाता है (4)
16. हमला करना, चढ़ाई करना (4)
18. पद के लिए उम्मीदवारों में से बहुमत के आधार पर चुनना (3)
19. इस देश में ताम्बे की विश्व की सबसे बड़ी खान है जो कि 3000 मीटर की ऊंचाई पर है (2)
21. संसार, विश्व, एक प्रकार का कर्म (2)
23. रिश्ता, संबंध (2)

वर्ग पहेली 5581 का हल

मानसरोवर पब्लिक स्कूल में समर कैम्प 1 मई से

भोपाल। मानसरोवर पब्लिक स्कूल में एक माह का समर कैम्प 1 मई से शुरू हो रहा है। समर कैम्प में इस बार बच्चों के लिए रोबोटिक्स, एआई, स्विमिंग, स्पोर्ट्स, डांस, म्यूजिक के साथ ही मम्मियों के लिए भी योगा, जुम्बा, कुकिंग और मेहंदी की स्पेशल क्लास रखी गई हैं। समर कैम्प 31 मई तक जारी रहेगा जिसके रजिस्ट्रेशन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किए जा रहे हैं। मानसरोवर पब्लिक स्कूल में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समर कैम्प आयोजित किया जा रहा है। जिसमें रोबोटिक्स, एआई और थ्री डी प्रिंटिंग सहित आउटडोर स्पोर्ट्स में स्वीमिंग, बास्केटबॉल, फुटबॉल, इनडोर में चेस और कराटे, म्यूजिक में गिटार, कीबोर्ड, वेस्टर्न डांस और जुम्बा, आर्ट एंड क्राफ्ट, फायरलैस कुकिंग, कैलिग्राफी, क्विक कैलकुलेशन, एटिकेट्स एंड कम्यूनिकेशन क्लासेस की ट्रेनिंग दी जाएगी। वहीं बच्चों की मम्मियों के लिए भी योगा, कुकिंग और मेहंदी जैसी गतिविधियां कम दरों पर सिखाई जाएंगी। समर कैम्प संचालक मानसरोवर समूह की निदेशक दिशा तिवारी ने बताया कि सभी एक्टिविटी के लिए समर कैम्प के एडमिशन जारी हैं, पहले आओ पहले पाओ के आधार पर इन सभी गतिविधियों में एडमिशन लिए जा सकते हैं।

बैरसिया में शादी के तीसरे दिन विवाहिता से रेप:जेठ ने दिया वारदात को अंजाम, पति कहता था भाई की करतूत किसी को मत बताना

भोपाल । बैरसिया में रहने वाले एक युवती ने प्रेम विवाह किया। शादी के तीसरे दिन शराब के नशे में उसके जेठ ने रेप किया। जेठ की करतूत जब पति को बताई गई तो उसने चुप रहने के लिए कहा। बाद में आरोपी जेठ की हरकतें लगातार बढ़ती चली गईं, तब महिला ने थाने में पहुंचकर केस दर्ज कराया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि 20 वर्षीय युवती ने जनवरी में बैरसिया की एक कॉलोनी में रहने वाले युवक से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद वह अपनी ससुराल पहुंच गई। तीन दिन बाद ही जब महिला का पति घर पर नहीं था तो उसके जेठ ने शराब के नशे में उसके साथ रेप किया। पति जब वापस लौटा तो महिला ने उसे पूरी बात बताई। पति उसकी बात मानने को तैयार नहीं हुआ तो महिला ने यह बात अपनी सास को भी बताई। दोनों ने ही उसकी बात को नहीं माना तथा धमकी दी कि अगर किसी को कुछ भी बताया तो घर से निकाल देंगे।

दोबारा रेप की कोशिश करने पर थाने पहुंची पीड़िता : ससुराल वालों की धमकी मिलने से महिला चुप हो गई। इसी बीच उसकी चुप्पी का फायदा उठाकर जेठ फिर से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। परेशान होकर महिला ससुराल से भागी तथा पुलिस को शिकायत कर दी। पुलिस ने इस मामले में जेठ के खिलाफ रेप का प्रकरण दर्ज किया है तथा पति, सास समेत तीन को सह आरोपी बनाया है। आरोपियों की अभी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

महिला की मांग भरकर रेप : इधर सूखी सेवनिया पुलिस ने बताया कि 27 वर्षीय महिला भोपाल के एक कॉलोनी में रहती थी। दो महीने पहले उसके पति की मौत हो गई थी। महिला पूर्व से अरविंद जैन नाम के युवक को जानती थी। पति की मौत के बाद युवक ने नजदीकियां बढ़ाई तथा शादी करने का झांसा दिया। महिला उसके झांसे में आ गई तो गत 19 अप्रैल को वह महिला को अपने घर ले गया। यहां पर उसने मांग भरकर महिला से शादी कर ली। इसके बाद उसने महिला का शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया।

दस दिन बाद घर से निकाल दिया : करीब दस दिन तक शारीरिक शोषण करने के बाद युवक ने महिला को अपने घर से भगा दिया। महिला ने मंगलवार की रात पुलिस को मामले की शिकायत कर दी। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सूखी सेवनिया पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक तौर पर पता चला है कि आरोपी के पास एक वाहन है जिसे वह खुद ही चलाता है।

माता पिता का सम्मान व विवेक भगवान परशुराम से सीखे तो जीवन के हर क्षेत्र में मिलेगी सफलता: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक योग केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षों से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। हजारों योग साधक अपनी योग साधना की निरंतरता से स्वयं स्वस्थ रहते हुए सेवा के कार्यों में लगे है। योग गुरु अग्रवाल नें भगवान परशुराम जयंती अक्षय तृतीया के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनायें देते हुए कहा कि दुर्गुणों को जीत कर हम मानव कहलायेंगे, अनुशासन ब्राह्मचर्य व तप से दुर्गुण नष्ट करें । वर्तमान समय में हम सब एकजुट होकर ऊर्जा का सही उपयोग करें एवं राष्ट्र की बुनियाद मजबूत करें योग प्राणायाम नियमित करें। योग गुरु अग्रवाल ने भगवान परशुराम जी के बारे में बताते हुए कहा कि धार्मिक ग्रंथो के अनुसार भगवान परशुराम का जन्म वैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया को भृगुवंशीय ऋषि जमदग्नि की पत्नी रेणुका के गर्भ से हुआ था।विष्णु के दस अवतारों में से छठे अवतार के रूप मे अवतरित इनका प्रारम्भिक नाम राम रखा गया, लेकिन अपने गुरू भगवान शिव से प्राप्त अमोघ दिव्य शस्त्र परशु (फरसा) को धारण करने के कारण यह परशुराम कहलाए। जन्म समय में छह ग्रह उच्च के होने से वे तेजस्वी, ओजस्वी, वर्चस्वी महापुरुष थे। प्राणी मात्र का हित ही उनका सर्वोपरि लक्ष्य था। न्याय के पक्षधर परशुराम जी दीन दुखियों, शोषितों और पीड़ितों की निरंतर सहायता और रक्षा करते थे। आखिर में परशुराम ने कश्यप ऋषि को पृथ्वी दान कर स्वयं महेन्द्र पर्वत पर निवास करने लगे। शास्त्रों के अनुसार ये चिरंजीवी हैं व आज भी जीवित व तपस्या में लीन हैं। परशुराम का सप्त चिरंजीवियों में स्थान है ।

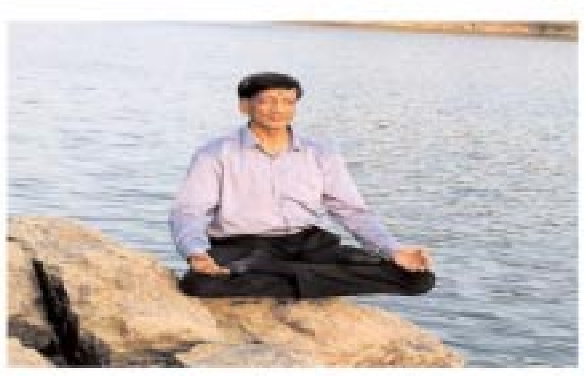

दान करना - धार्मिक कथाओं के अनुसार भगवान परशुराम ने अश्वमेघ यज्ञ कर पूरी दुनिया को जीत लिया था, लेकिन उन्होंने सबकुछ दान कर दिया। हमें भगवान परशुराम से दान करना सीखना चाहिए। अपनी क्षमता के अनुसार दान अवश्य करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भी दान करने का बहुत अधिक महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि दान करने से उसका कई गुना फल मिलता है। न्याय करना - भगवान परशुराम ने न्याय करने के लिए सहस्त्रार्जुन और उसके वंश का नाश कर दिया था। धार्मिक कथाओं के अनुसार भगवान परशुराम का मानना था कि न्याय करना बहुत जरूरी है। इसलिए उन्हें न्याय का देवता भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं में इस बात का वर्णन भी है कि भगवान परशुराम सहस्त्रार्जुन और उसके वंश का नाश नहीं करना चाहते थे, परंतु उन्होंने न्याय के लिए ऐसा किया। भगवान परशुराम के लिए न्याय सबसे ऊपर था। हमें भी जीवन में न्याय करना चाहिए। माता-पिता का सम्मान - भगवान परशुराम ने हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान किया और उन्हें भगवान के समान ही माना। माता-पिता के हर आदेश का पालन भगवान परशुराम ने किया। हमें भी जीवन में हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान और उनकी हर आज्ञा का पालन करना चाहिए। जो व्यक्ति माता-पिता का सम्मान करते हैं, भगवान भी उनसे प्रसन्न रहते हैं।

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने सौंपा सीएम को ज्ञापन, विस्थापितों को प्रापर्टी मालिकाना देने की मांग

महाराष्ट्र की तरह मध्यप्रदेश में भी सिंधियों को मिले प्रापर्टी की फ्री होल्ड ओनरशिप

संत हिरदाराम नगर। मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र सरकार ने पूरे प्रदेश में जहां भी सिंधी परिवार बसें हुए हैं, 70 साल पूर्व जिस समय वहां रहने आए थे, के दौरान मात्र ढाई प्रतिशत रेडी रेकनर पर फ्री होल्ड करके प्रापर्टी देने का निर्णय लिया है इससे महाराष्ट्र में निवास करने वाले 5 लाख आवासीय एवं दो लाख व्यवसायिक व्यक्तियों को प्रापर्टी का लाभ मिलेगा। यह निर्णय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नीस ने केबिनेट की बैठक के बाद लिया है तथा यह काम 20 अप्रैल से प्रारंभ कर दिया गया है जिससे आजादी के बाद 70 सालों से चली आ रही सिंधी हिन्दु विस्थापित परिवारों की समस्या का समाधान हो जाएगा। संत हिरदाराम नगर की सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं महासचिव सुरेश जसवानी ने महाराष्ट्र की तरह मध्यप्रदेश के सिंधियों को भी प्रापर्टी की फ्री होल्ड ओनरशिप देने की मांग की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का ज्ञापन भी प्रस्तुत किया गया।

क्या है समस्या: सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं महासचिव सुरेश जसवानी ने बताया कि दरअसल मध्यप्रदेश की तरह ही महाराष्ट्र में भी 15 अगस्त 1947 को भारत विभाजन के बाद जो सिंधी हिन्दु अपनी जन्म स्थली सिंध प्रदेश छोड़कर आए थे, उन्हें क्लेम में मकान व दुकाने एवं जमीने तो दी गई लेकिन उसका मालिकाना हक से आज तक वे वंचित थे। इस कारण सिंधी विस्थापित परिवारों को अपनी सम्पति की खरीद फरोख्त, निर्माण आदि में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था लेकिन अब महाराष्ट्र के किसी भी इलाके में निवास करने वाले प्रत्येक सिंधी परिवार फिर चाहे वह आवासीय इलाका हो या व्यवसायिक का मालिकाना हक संबंधी कागजात मिल जाएंगे वह भी उस समय के केवल ढाई प्रतिशत रेडी रेकनर के हिसाब से।

अब निगाहें मध्यप्रदेश पर: सुरेश जसवानी ने कहा है कि जिस तरह से महाराष्ट्र सरकार ने वहां के सिंधी हिन्दुओं की चली आ रही 70 साल प्रापर्टी के मालिकाना हक की मांग को पूरा किया है, उसी तरह की समस्या मध्यप्रदेश में भी चली आ रही है यहां भी लोग अपने मकानों दुकानों पर काबिज हैं लेकिन उनमें से अधिकांश के पास प्रापर्टी के कागजात नहीं है, ऐसे में प्रापर्टी की खरीद फरोख्त एवं निर्माण कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। इसलिए महाराष्ट्र की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी प्रापर्टी फ्री होल्ड ओनरशिप देने की सख्त जरूरत है।

नहीं हो रहा लीज नवीनीकरण

चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं सुरेश जसवानी ने कहा है कि संत हिरदाराम नगर के वन ट्री हिल्स कालोनी में निवास करने वाले 500 विस्थापितों की लीज जो 2018 में खत्म हो चुकी है, उसका नवीनीकरण रजिस्ट्री एवं लीज के आधार पर किए जाने की जरूरत है, क्योंकि इसके अभाव में बैंक से लोन नहीं मिल रहा है साथ ही अपनी ही प्रापर्टी की खरीद फरोख्त में दिक्कतें आ रही हैं। इधर सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने रविवार को सिंधु भवन पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को ज्ञापन प्रस्तुत कर संत हिरदाराम नगर सहित मध्यप्रदेश सिंधी विस्थापितों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक दिलाने एवं वन ट्री हिल्स के भूखण्ड स्वामियों की लीज का नवीनीकरण पृथक पृथक करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री कृषक सम्मलेन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो में जिले के सात किसानों को करेंगे सम्मानित

हितग्राही श्रीमती कुंवर को 4 लाख व हितग्राही दीपक पाटीदार को 38 लाख रुपए का करेंगे हितलाभ वितरण

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सीतामऊमंडी प्रांगण में आयोजित कृषक सम्मलेन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो में जिले के सात किसानों को सम्मानित करेंगे। इन किसानों में वो किसान शामिल है, जिन्होंने नवाचार करके खेती में आमूल चूल परिवर्तन किया है। दलौदा के किसान डॉ राकेश पाटीदार मंदसौर एग्रो इंडस्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सीईओ हैं। ये अलसी के डंठल से रेशा का उत्पादन कर रहे है। किसान अलसी के डंठल को खेत में ही जला देते हैं। डंठल किसी काम में नहीं आते थे। इनको ना तो पशु खाता, नहीं किसी काम में आता था। लेकिन डॉ पाटीदार ने इसको उचित प्लेटफॉर्म देकर इसको मूल्यवान बना दिया है। सिंदपन मंदसौर के किसान श्री शुभम शर्मा अपने खेत एवं घर पर वर्मी कंपोस्ट, मधुमक्खी पालन एवं मशरूम की खेती करते हैं।

मंदसौर के किसान श्री अनुशील गुप्ता कोल्ड स्टोरेज के माध्यम से 500 किसानों से जुड़कर उनके साथ गाजर की कांट्रैक्ट फार्मिंग करते हैं। धलपट सीतामऊसे किसान श्री जितेंद्र पाटीदार अपने खेत में ड्रिप सिंचाई के माध्यम से सीताफल, नींबू, संतरा, अमरुद की जैविक खेती करते हैं। पूरे फलों उद्यान में सोलर प्लेट की स्थापना करके विद्युत आपूर्ति करते हैं। और पूरे उद्यान की सौर ऊर्जा से सिंचाई करते हैं। जग्गाखेड़ी मंदसौर के किसान श्री लक्ष्मीनारायण माली शेडनेट हाउस में पौधे तैयार कर गेंदा, गुलाब, सेवंती, नवरंग एवं बिजली के फूलों की खेती करते हैं तथा इन पौधों को कृषकों को भी विक्रय करते हैं। पिपल्या जोधा मल्हारगढ के किसान श्री नरेंद्र सिंह बोराना लैब टेक्नीशियन की सरकारी नौकरी छोड़कर अब पशुपालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन तथा जैविक खेती करते हैं। इन्होंने एक ही स्थान पर मिश्रित खेती में नवाचार करके दिखाया है। मंदसौर के किसान श्री राघव शक्तावत अपने 29 तालाबों में मत्स्य बीज उत्पादन का कार्य करते हैं। शक्तावत फार्म हाउस से मत्स्य स्पॉन और फ्राय का निर्माण कर रहे है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर 20 व्यक्तियों को रोजगार भी दे रहे है।

हितग्राही श्रीमति कुंवर को 4 लाख व हितग्राही दीपक पाटीदार को 38 लाख रुपए का करेंगे हितलाभ वितरण–मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हितग्राही श्रीमति कृष्णा कुंवर जो कि भगवती स्वसहायता समूह सूरी, मन्दसौर को हितलाभ प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजनांतर्गत मध्यप्रदेश सेन्ट्रल ग्रामीण बैंक डीगांव द्वारा उक्त समूह को 4 लाख 95 हजार 450 रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया। समूह द्वारा दुग्ध उत्पाद जैसे - मावा, पनीर, दही एवं जीरा छाछ आदि का प्रसंस्कृत उत्पाद का निर्माण किया जावेगा। साथ ही हितग्राही श्री दीपक पाटीदार निवासी गुराडिया प्रताप, सीतामऊ को हितलाभ प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजनांतर्गत सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया सुवासरा द्वारा 38 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया। जिसमें डी- हाइड्रेटेड उत्पाद, फ्लेक्स एवं हर्बल उत्पाद आदि प्रसंस्कृत उत्पाद का निर्माण करेंगे।

हाई कोर्ट ने कहा-दोबारा परीक्षण करें, ऊंचाई बताई 167.5, मेडिकल बोर्ड में निकली 169 सेंटीमीटर

पिपलियामंडी, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मप्र पुलिस भर्ती में नया खेल सामने आया है। भर्ती के दौरान एक युवक की उंचाई 167.5 सेंटीमीटर बताकर उसे बाहर कर दिया गया था। देवास के सरकारी मेडिकल बोर्ड ने उसकी उंचाई 169 सेंटीमीटर बताते हुए प्रमाणपत्र जारी कर दिया। मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जहां जस्टिस विजयकुमार शुक्ला की खंडपीठ ने पुलिस को दोबारा परीक्षण करने को आदेश दिया। एडवोकेट मनुदेव पाटीदार (मल्हारगढ़) और अमन मालवीय व अभिषेक सोलकी ने बताया कि देवास के मस्तहब काजी ने पुलिस भर्ती 2025 में भाग लिया था। लिखित परीक्षा पास कर ली तो शारीरिक परीक्षण के लिए बुलाया गया था। परीक्षण में 168 सेमी की उंचाई पूरी नहीं होने की बात कहकर उसे भर्ती से बाहर कर दिया गया। इस पर काजी ने हाईकोर्ट में केस दायर कर पुलिस भर्ती में की गई धांधली के बारे में बताया। देवास मेडिकल बोर्ड का सर्टिफिकेट पेश किया। वहीं पुलिस की ओर से जो जवाब सरकार ने हाईकोर्ट में पेश किया, उसमें उंचाई 167.5 सेंटीमीटर होना बताया था। दो अलग-अलग उंचाई के प्रमाण-पत्र और दोनों ही प्रमाणित होने के चलते हाईकोर्ट ने काजी को भर्ती के लिए प्रभारी अधिकारी के समक्ष देवास मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण-पत्र के साथ 10 दिनों में पेश होने को कहा है। साथ ही वह पुलिस भर्ती में शामिल होने को आवेदन करता है, तो आवेदन प्राप्त होने के 15 दिनों में उस पर विचार करते हुए निर्णय लेने के लिए कहा है।

देश में बढ़ी दूध की कीमत, महंगा हुआ वेरका और मदर डेयरी का दूध

नई दिल्ली, 30 अप्रेल। गर्मी में दूध का उत्पादन कम होने के कारण मदर डेयरी और वेरका ब्रांड ने देशभर में दूध के रेटों में 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ोतरी कर दी है। नई कीमतें आज से ही लागू हो गई हैं। मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध अब 69 रुपये प्रति लीटर तथा टोंड दूध 54 रुपये से बढ़कर 56 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

गर्मी के मौसम में दूध की लागत बढ़ जाती है जबकि उत्पादन में कमी आ जाती है। इसी कारण अब दुग्ध डेयरियों ने इनकी कीमत बढ़ा दी है। यदि दिल्ली की बात करें तो प्रतिदिन दिल्ली में 35 लाख लीटर मदर डेयरी के दूध की लागत होती है। पिछले दो महीने में ही दूध की कीमत 4 से 5 रुपये प्रति लीटर बढ़ चुकी हैं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि गर्मियों के कारण दूध की लागत बढ़ जाती है। गर्मियों की शुरूआत होने तथा लू की स्थिति के कारण दूध की कीमतें बढ़ गई हैं। वेरका की तरफ से कहा गया कि दूध पर प्रति लीटर लागत बढ़ गई है। पशुचारे, बिजली, ट्रांसपोर्ट और प्रोसेसिंग की लागत में पिछले कुछ महीनों से बढ़ोतरी हो गई है। इसलिए दूध के रेट बढ़ाने पड़े हैं। वहीं गर्मी में पशुओं की दूध देने की क्षमता पर भी प्रभाव पड़ता है। कंपनी की तरफ से कहा गया है कि इन सभी के अलावा किसानों को भी दूध का सही दाम देना जरूरी है। कंपनी हमेशा दूध उत्पादक किसानों के हितों का भी ध्यान रखती है।

अपाक्स ने नपाध्यक्ष व सीएमओ को ज्ञापन देकर...

निकाले गये सफाई कर्मचारियों को रखने व एरियर भुगतान की मांग

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सफाई कर्मचारी प्रकोष्ठ म.प्र. अनुसुचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक अधिकारी, कर्मचारियों के संगठन अपाक्स द्वारा वाल्मीकि समाज के पटेल मुकेश चनाल के नेतृत्व में नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर व मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुधीरकुमारसिंह को ज्ञापन देकर सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान कर पुन: नियुक्ति प्रदान करने तथा सफाई कर्मचारियों को रूके हुए एरियर की राशि तुरंत भुगतान करने की मांग की।

पटेल मुकेश चनाल ने कहा कि अकारण बंद कर दिये कर्मचारियों को रखे जाने से मंदसौर में सफाई कर्मचारियों की कमी को दूर किया जा सकेगा तथा मंदसौर का सीमा में बढ़ोत्तरी हुई है तथा कर्मचारियों की कमी भी महसूस की जा रही है। इसलिये इन कर्मचारियों को जल्द ही पुन: नगरपालिका में रखा जाए। सफाई प्रकोष्ठ जिला मंदसौर अध्यक्ष हेमा कंडारे ने बताया कि सीएमओ श्री सुधीर कुमारसिंह से मांग की कि नगर पालिका परिषद में सन 2017 से सन् 2024 तक जिन सफाई कर्मचारियों को बंद कर दिया गया था, यह कर्मचारी वर्तमान में बेरोजगार है तथा मजदूरी कर अपना जीवन व्यापन कर रहे हैं और इन्हें समय पर भी मजदूरी नहीं मिल पाती है तथा वर्तमान समय में उनके परिवार का पालन पोषण करना अत्यंत ही मुश्किल हो रहा है। इसलिये इन कर्मचारियों को पुन: एक अवसर प्रदान कर नियुक्ति दी जाए। नगर अध्यक्ष जय डागर ने बताया कि सफाई कर्मचारी राहुल पिता नवीन डागर, लेखराम पिता परवीन डागर, राहुल पिता जीवन खपरी, अरुण पिता शालिग्राम राठौर, अर्जुन पिता राजमल लोट, विकास पिता किशोर लोट, गोपाल पिता बाबूलाल बोयत, अविनाश पिता नारायण छापरी, गौरव पिता प्रकाश जादू, पवन पिता कालूराम गहलोत, सुमित पिता अमृत राम फतरोड़, बिट्टू पिता जगदीश हंस, विजय पिता उमेश, विजय पिता कैलाश, संजय पिता जगदीश चनाल, सुभाष पिता श्रवण धौलपुरे, शैलेंन्द्र पिता राजाराम तंवर, सौरभ पिता कमल कंडारे, रितेश पिता जीवन तंवर, जितेन्द्र पिता राजू चनाल, बंटी पिता मंगल कोटियाना, शुभम पिता जीवन कोड़ावत, नवीन पिता विनोद पथरोड़, राजेश कोलोस्सिया, आदर्शपिता संजय डागर, दिपक पिता शिव कंडारे, भारत पिता ब्रजेश मकवाना, विनय पिता अजय गोडर, अजय रानवा, अर्जुन लोट, गोरव जादु, अनील लोट, लखन बिडवाल को पुन: रखा जाए। अपाक्स ने उक्त सफाई कर्मचारीयों को पुन: नियुक्ती प्रदान करने तथा एरियर का शीघ्र भुगतान करने की मांग की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष विक्की तंवर, ईश्वर चनाल, जिला सचिव मोहित जादू, सुभाष धोलपुरे, नवीन गोसर, नीता तंवर, गुड्डी कोटीयाना, पारस जादु, कला सोनवाल, टीना चनाल, नितु तंवर, नंदादेवी तंवर, उर्मिलादेवी तंवर, रानु घावरी, वर्षा राड़वे, करीना राड़वे, रूकमणी तंवर, सोनम चनाल, मनीषा घांवरी, शालु टांक, माया डागर, रविना घांवरी, अर्चना डागर, भावना कंडारे अल्का बोयत, रेखा पंडित सहित बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी उपस्थित थे।

किसानों की समृद्धि के लिए 3 मई सीतामऊ में होगा किसान मेले का आयोजन

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। उन्नत कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए आगामी 3 मई को सीतामऊमें होगा किसान सम्मलेन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। किसान मेले में किसानों को उन्नत तकनीक और बीज, आधुनिक कृषि उपकरणों, शासन की योजनाओं एवं कृषि प्रबंधन की विस्तार से जानकारी प्रदान की जाएगी। उक्त आयोजन के साथ खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में कार्य करने हेतु इच्छुक निवेशकों के साथ मुख्यमंत्री की बैठक भी आयोजित होगी। जिससे नए-नए निवेशक मंदसौर जिले में निवेश करेंगे। जिससे उद्योगो को बढ़ावा मिलेगा। मंदसौर जिले में औषधीय फसलों को बढ़ावा मिलेगा। मंदसौर जिला औषधिय और मसाला खेती में अग्रणी है। यहां विभिन प्रकार के मसालों की खेती की जाती है। इन फसलों से जुड़े उद्योगो को बढ़ावा देने के लिए कृषक सम्मलेन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो का आयोजन सीतामऊमंदसौर में किया जा रहा है। किसानों से जुड़े विविध तरह के राज्य स्तरीय स्टाल लगाए जाएंगे। इन स्टॉल के माध्यम से कृषकों को उन्नत तकनीकी, खेती किसानी की जानकारी, नवाचार, उन्नत किसान के संबंध बारे में बताया जाएगा। इन विभाग में कृषि अभियांत्रिकी, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, एम.पी. एग्रो, एम एस एम ई, मत्स्य, पशुपालन, नवकरणीय ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग द्वारा कृषि यंत्र, ड्रोन एवं उपकरण, कृषि आदान व्यवस्था नवीन प्रजातियों के बीज (बीज उवर्रक, पेस्टीसाइड आदि), बैंकर्स एवं फसल बीमा, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र, संरक्षित खेती, वर्मी बेड, मल्चिंग, पौंड प्लास्टिक लाइन (पोली/शेडनेट हाउस आदि), खाद्य प्रसंस्करण, ओडीओपी, रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आर.ए.एस), केज कल्चर, बायोफलॉक एवं मत्स्य महासंघ का डिस्पले, चलित पशु चिकित्सा इकाई, आदर्श गौशाला, सार्टेड सेक्सड सीमन, एंब्रियो ट्रांसफर तकनीक, सांची मिल्क पार्लर एवं मिल्क क्वालिटी टेस्टिंग, एग्री फोटो वॉल्टाइक एग्री स्टेक इत्यादि तरह-तरह के स्टाल लगाए जाएंगे।

26 कन्याए परिणय सूत्र में बंधी–नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के ग्राम अल्हेड़ एवं कंजार्डा में अक्षय तृतीया पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारु ने नव विवाहित वर वधुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। सामूहिक विवाह सम्मेलन अल्हेड़ में 17 जोड़े, एवं कंजार्डा में 9 जोड़े इस तरह कुल 26 कन्याओं का विवाह संपन्न हुआ।

नगर की यातायात व्यवस्था में नहीं हुआ सुधार

सुवासरा, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर की बिगडती यातायात व्यवस्था 8 दिन बाद भी नहीं सुधरी ।आठ दिन पहले नगर की बिगडती यातायात व्यवस्था का समाचार मीडिया में आने के बाद नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि ने कार्रवाई करने की बात कही थी। लेकिन जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैया के कारण प्रतिदिन नगर में वाहनों का जाम लग जाता है। वहीं नगर के मुख्य मार्गो के दोनों ओर रसूखदार व्यापारी अपना सामान बड़ी संख्या में रख देते हैं। जिससे कि थोडी-थोडी देर में ही मार्ग अवरुद्ध हो जाता है।

नगर परिषद के जनप्रतिनिधि और अधिकारी कार्यालय में मुकदर्शक बनकर बैठे रहते हैं। लेकिन आमजन की समस्याओं से उनका कोई सरोकार नहीं है। बुधवार को फिर से पुराना बस स्टैंड से नया बस स्टैंड के बीच करीबन 1 घंटे से ज्यादा यातायात बाधित रहा।लेकिन ना तो प्रशासन का कोई व्यक्ति व्यवस्था सुधारने पहुंचा और नहीं क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी देखने आए। जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण नगर की यातायात व्यवस्था लावारिस हो गई है।ना कोई यहां किसी को बोलने वाला है ना सुनने वाला है। आम जनता रोजाना बेतरतीब खडे वाहनों और अव्यवस्थित तरीके से दुकानों के समान से परेशान है। नगर के मुख्य मार्ग तहसील रोड, सदर बाजार, धान मंडी रोड, हॉस्पिटल रोड के मार्गों पर्र थोड़ी-थोड़ी देर में वाहनों की कतार लग जाती है। वहीं नगर के पुराना बस स्टैंड चौराहे पर रसूखदार नेता अपने चार पहिया वाहनों को बीच सडक पर खडा कर चौराहे पर शान से घूमते हैं। लेकिन इनको यहां से हटाने या इनको चेतावनी देने वाला नगर में कोई जवाबदार अधिकारी नहीं है। जिसके कारण अन्य आम जनता को मार्ग से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर बालाराम परिहार केवल हर बार की तरह रटा रटाया ही जवाब देते हैं की यातायात व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी को पत्र लिखेंगे लेकिन अपने विवेक से अभी तक कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हैं। वही परिषद के यातायात सभापति राकेश सोनी का कहना है यातायात व्यवस्था को लेकर नगर में एक बार मुनादी करवा दी गई है इसके साथ ही दो-चार दिन में वापस से अभियान चलाकर अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों पर कार्रवाई की जाएगी।और नगर के मुख्य मार्गों पर्र दुकानदारों के द्वारा रखे गए अस्थायी अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का किया पुनर्गठन...

पूर्व रॉ प्रमुख अध्यक्ष बने, पाक से टेंशन के बीच बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 30 अप्रेल। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की रणनीतिक बैठकों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड बड़ा फेरबदल किया गया है। सरकार की ओर से पुनर्गठित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सात सदस्य होंगे। बोर्ड में तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त अधिकारी होंगे। सरकार की ओर से पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

बोर्ड में पूर्व पश्चिमी एयर कमांडर एयर मार्शल पीएम सिन्हा, पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह और रियर एडमिरल मोंटी खन्ना सैन्य सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी भी हैं। राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त दो सदस्य भी बोर्ड में हैं। सात सदस्यीय बोर्ड में बी वेंकटेश वर्मा सेवानिवृत्त आईएफएस हैं।

बुधवार को पीएम मोदी ने की लगातार बैठकें–इससे पहले पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई। इसके बाद राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए), आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक हुई। ताबड़तोड़ बैठकों के बाद एक पूर्ण कैबिनेट की बैठक भी हुई।

सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हुई– पहलगाम हमलों के बाद दूसरी बार बुलाई गई सीसीएस पहलगाम की घटना के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हुई। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की पिछली बैठक 23 अप्रैल को हुई थी और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई थी। हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की आतंकियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। सीसीएस ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की थी और पीडितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की थी। सीसीएस ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी।

प्रधानमंत्री की सेना को खुली छूट– इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए थे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी इस बैठक का हिस्सा थे। बैठक करीब डेढ घंटे तक चली थी। बैठक उस समय हुई, जब दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर करारी चोट करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा विश्वास और भरोसा जताया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी स्वतंत्रता है।

भगवान श्री परशुराम ने शस्त्र और शास्त्र दोनों के महत्व को प्रतिपादित किया, संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। हमारा जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ यह हमारी ब्रह्म साधना का ही प्रतिफल है। ब्राह्मणों का कर्म स्वयं के लिए तो होता ही है किंतु संपूर्ण समाज को संस्कार,संस्कृति,मर्यादा और अनुशासन की शिक्षा देना भी ब्राह्मण का ही दायित्व है। यह विचार भाजपा जिलाध्यक्ष पं.राजेश दीक्षित ने व्यक्त किए। आप सकल ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में जनपद पंचायत के सभागार में आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। आपने कहा कि भगवान परशुराम ने हमें शास्त्र के साथ शस्त्र भी रखने का संदेश दिया है। क्योंकि ब्राह्मणों का यह दायित्व है कि वे हमारी सनातन परंपराओं का संरक्षण करें और संपूर्ण समाज को भी इन्हीं परम्पराओं से अवगत कराएं। राक्षसी प्रवृत्ति हर युग में रहती है इसलिए भगवान परशुराम ने शास्त्र के साथ शस्त्र रखना की भी बात कही है। भगवान परशुराम जी के संकल्प और उनके आदर्शों को आत्मसात करना प्रत्येक ब्राह्मण का कर्तव्य है।

इस अवसर पर सकल ब्राह्मण समाज भगवान परशुराम जन्मोत्सव समिति के संयोजक जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारा जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ है और भगवान परशुराम हमारे आराध्य हैं। शास्त्र और शस्त्र दोनों को ही साथ रखकर भगवान परशुराम जी ने अपने ब्रह्म कर्म का पालन किया और आततायियों का विनाश कर इस पृथ्वी को 21 बार अत्याचारों से बचाया। संपूर्ण ब्राह्मण समाज को संगठित होकर अपने अपने गौरवपूर्ण अस्तित्व का संरक्षण करना चाहिए और समाज को भी सही दिशा देनी चाहिए। पं.कृष्णवल्लभ शर्मा ने कहा कि हिंदू समाज को बांटने की साजिश से इस बात को प्रचारित किया गया कि भगवान परशुराम जी ने 21 बार क्षत्रियों का विनाश कर इस पृथ्वी को उनके अत्याचारों से बचाया लेकिन यह धारणा गलत है भगवान परशुराम जी ने क्षत्रियों का नहीं बल्कि हेहय वंश के आतताइयों का विनाश किया। वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने कहा कि भगवान परशुराम समस्त ब्राह्मणों के आराध्य हैं वे परम पराक्रमी और सभी शास्त्रों के ज्ञाता थे और शस्त्र कला में भी निपुण थे। भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य और महादानी कर्ण जैसे वीर योद्धा उनके शिष्य रहे हैं। भगवान परशुराम जी भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं। उन्होंने शास्त्रों के माध्यम से समाज को सुसंस्कारी ओर सुशिक्षित किया ओर शस्त्रों से आतताइयों का विनाश किया। वे सप्त चिरंजीवियों में से एक है इसीलिए भगवान परशुराम जी की जयंती नहीं वरन जन्मोत्सव मनाया जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ रवींद्र पांडे ने कहा कि भगवान श्री परशुराम जी का जीवन संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरक है। हम हमें इस बात का सदा गर्व है कि हम ब्राह्मण भगवान परशुराम जी के वंशज हैं। उन्होंने शस्त्र और शास्त्र दोनों के ही महत्व को प्रतिपादित किया। इस अवसर पर सकल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा समन्वयक चेतन जोशी, राजेश पाठक,प्रवीण शर्मा, प्रद्युम्न शर्मा, कृष्णा शर्मा पुष्कर शर्मा आदि ने भी शुभकामनाएं दीं। संचालन ब्रजेश जोशी ने किया आभार चेतन जोशी ने माना।

परशुराम वाटिका में हवन पूजन और महाआरती–भगवान परशुराम जन्मोत्सव अक्षय तृतीया बुधवार को प्रात: काल रामटेकरी भगवान परशुराम वाटिका में उनके विग्रह की पूजा अर्चना की गई हवन और महाआरती कर भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव यहां पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के भाव से मनाया गया इस अवसर पर ब्राह्मण जन उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, कहा...

देशद्रोहियों के खिलाफ स्पाइवेयर का इस्तेमाल गलत नहीं

नई दिल्ली, 30 अप्रेल। पेगासस स्पाइवेयर मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी देश के पास स्पाइवेयर होना गलत नहीं है। असल चिंता यह है कि इसका इस्तेमाल कैसे और किसके खिलाफ किया जाता है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सुनवाई की। इजरायली स्पाइवेयर पेगासस का इस्तेमाल कर पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और राजनेताओं की कथित निगरानी की स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर 2021 में याचिकाएं लगाई गई थीं। बेंच ने कहा कि कोई देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकता।

देश की सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते–सुनवाई के दौरान सीनियर वकील दिनेश द्विवेदी को जवाब देते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, अगर देश स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर रहा है तो इसमें क्या गलत है। स्पाइवेयर होना, कुछ भी गलत नहीं है। इसका इस्तेमाल किसके खिलाफ किया जाता है, यह सवाल है। हम देश की सुरक्षा से समझौता या बलिदान नहीं कर सकते। इस दौरान केंद्र सरकार से कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, आतंकवादी निजता के अधिकार का दावा नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, एक नागरिक व्यक्ति जिसे निजता का अधिकार है, उसे संविधान के तहत संरक्षण दिया जाएगा। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के एक फैसले का हवाला दिया। इसमें कहा गया था कि एनएसओ समूह ने व्हाट्सएप को हैक करने के लिए पेगासस मैलवेयर का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि फैसले में भारत को प्रभावित देशों में से एक बताया गया है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने विस्तृत फैसला दिया है। आरोपों की जांच के लिए जस्टिस रवींद्रन के नेतृत्व में एक समिति गठित की है।

सरस्वती विद्यालय की जिनीषा स्केटिंग राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित

स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली में आयोजित हो रही है प्रतियोगिता

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर जग्गा खेड़ी की छात्रा जिनीशा पिता आलोक व्यास रोलर स्केटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का प्रदर्शन करेंगी।

अधिक जानकारी देते हुए सरस्वती विद्यालय के वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक दिनेश यादव ने बताया कि जिनीषा व्यास निरंतर रूप से स्केटिंग का अभ्यास जिला स्केटिंग संघ व सरस्वती विद्यालय के खेल प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में कर रही है जिसके परिणाम स्वरूप सरस्वती विद्यालय की विद्या भारती द्वारा आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता जिसमें पूरे देश के सरस्वती विद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राएं सहभागिता करते हैं वहां अच्छा प्रदर्शन कर विद्या भारती की मुख्य टीम का हिस्सा बनी इस प्रतियोगिता में राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित सभी राज्य के खिलाड़ी शामिल हुए थे। ज्ञात रहे विद्या भारती पूरे भारत के सरस्वती विद्यालयों के बीच प्रतियोगिता आयोजित का राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्या भारती के रूप में खिलाड़ियों को सहभागिता करते है। जिनीषा की इस उपलब्धि पर अशोक पारीक सचिव भारतीय आदर्श शिक्षण समिति सुनील शर्मा सहसचिव एवं प्रबंधक भारतीय आदर्श शिक्षण समिति श्रीमती वर्तिका पारीक सदस्य भारतीय आदर्श शिक्षण समिति सरस्वती विद्या मंदिर एवं सैनिक स्कूल की प्राचार्य श्रीमती सरोज प्रसाद, सैनिक स्कूल कमांडेंट एवं रिटायर्ड कर्नल श्री शरद मोहन सिंह सीबीएसई विद्यालय प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, जिला स्केटिंग अध्यक्ष कपिल भंडारी जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, राकेश श्रीवास्तव सचिव जिला स्केटिंग संघ सचिन काले जिला स्केटिंग संघ आदि ने बधाई दी व अच्छे प्रदर्शन के लिए के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

मंदसौर में अक्षय तृतीया पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर निकला चल समारोह

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर बुधवार को मंदसौर में सकल ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम का भव्य चल समारोह अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाला गया। विगत तीन दशकों से अधिक समय से आयोजित हो रहे इस जनोत्सव में इस वर्ष भी जिले भर के ब्राह्मण बंधु बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। आयोजन के मुख्य संयोजक पंडित बसंत शर्मा और सकल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा, साथ ही मातृशक्ति समिति की अध्यक्ष नीता चौबे और सह संयोजक जितेंद्र व्यास ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रशासनिक निर्देशों का पालन करते हुए इस बार चल समारोह में बड़े डीजे का उपयोग नहीं किया गया, बल्कि परंपरागत ढोल-ताशों और बैंड बाजों की मधुर ध्वनि के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ जनपद कार्यालय प्रांगण पहुंचा, जहाँ समाज के सदस्यों के लिए विशाल भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए भक्तिमय भजनों ने वातावरण को और भी अधिक आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम को भानपुरा शंकराचार्य पीठ के युवाचार्य वरुणेंद्र तीर्थ जी का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ, जिससे उपस्थित ब्राह्मण समुदाय में विशेष उत्साह देखने को मिला। भाजपा पं. जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने भी इस धार्मिक आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रारंभ में संस्कृत पाठशाला के बटुकों के मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। बटुकों का स्वागत भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, संयोजक पं. बसंत शर्मा और सकल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, राजेश पाठक आदि ने किया। इस भव्य चल समारोह का विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा स्वागत किया गया, जिनमें गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज, सामाजिक समरसता विभाग, जिला धार्मिक उत्सव समिति, माहेश्वरी समाज, जिला राजपूत समाज, भाजपा दक्षिण मण्डल संगीत महाविद्यालय जन भागीदारी समिति प्रमुख रहे। इसके अतिरिक्त, विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में जिला कांग्रेस समिति और शहर मंडलम अध्यक्षों ने भी भगवान परशुराम के चल समारोह का आत्मीय स्वागत किया। यह भव्य आयोजन न केवल भगवान परशुराम के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि इसने सामाजिक समरसता और भाईचारे के संदेश को भी सशक्त रूप से प्रसारित किया।

डॉ.शर्मा गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा के उप सचिव मनोनीत

नीमच, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारत वर्षीय श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्षओमप्रकाश जोशी ने वर्ष 2025 - 2029 के लिए नीमच म.प्र से डॉक्टर बृजेन्द्र प्रसाद शर्मा अध्यक्ष गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज नगर सभा नीमच को राष्ट्रीय उपसचिव मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी की पहली बैठक पुष्कर में 11 मई को होगी इस बैठक में महासभा की भावी कार्य योजना पर विस्तार से मंथन किया जाएगा । डॉ बृजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश जोशी को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर बृजेन्द्र प्रसाद शर्मा विगत 6 वर्षों निरंतर महासभा सेवा में संस्कृति प्रकोष्ठसदस्य के साथ ही अपने नगर सभा नीमच अध्यक्ष पद को संभालते हुए समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाते आ रहे हैं। इससे पहले भी वह संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा की आज सीतामऊ में बैठक

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के दिनांक 3 मई को सीतामऊ आगमन को लेकर आवश्यक तैयारियां के संबंध में एक महत्त्वपूर्ण बैठक आज दिनांक 1 मई को प्रात: 11:00 बजे शहनाई गार्डन सीतामऊ पर रखी गई। जिसमे माननीय जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित का मार्गदर्शन प्राप्त होगा । इस आवश्यक बैठक में अपेक्षित श्रेणी इस प्रकार है- सुवासरा विधानसभा में निवासरत भाजपा जिला पदाधिकारी मोर्चा जिला पदाधिकारी भाजपा मंडल अध्यक्ष / महामंत्री, भाजपा मंडल पदाधिकारी, भाजपा मंडल कार्यसमति सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष उपाध्यक्ष इसी प्रकार मंदसौर और मल्हारगढ़ विधानसभा में निवासरत भाजपा जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिला अध्यक्ष महामंत्री, भाजपा मंडल अध्यक्ष महामंत्री, जिला पंचायत सदस्य, नगर परिषद अध्यक्ष उपाध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष सभी अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी गणों कार्यकर्ताओं से आग्रह है की नियत समय पर बैठक में अपनी उपस्थिति को सुनिश्चित करें।

अवैध रह रहे लोगों की जांच कर कार्रवाई की मांग

पिपलियामंडी, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर की अयोध्या बस्ती में अवैध रुप से रह रहे लोगों की जांच कर कार्रवाई की मांग पार्षद ललित कसेरा ने टीआई विक्रमसिंह इवने से की। कसेरा ने बताया कि यहां निवासरत कुछ लोग बाहर से आकर अवैध गतिविधियां संचालित करते है, जिनकी जांच की जाना आवश्यक है। बिना दस्तावेज के यहां रहकर गलत कामों में लिप्त लोगों पर कार्रवाई की मांग कसेरा ने की है।

नाबालिक बालिका के साथ हुई घटना के बाद...

एफआईआर नहीं लिखने वाले थाना प्रभारी को अविलंब हटाया जाए-तोमर

मंदसौर, 30 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले के शामगढ थाना क्षेत्र में एक नाबालिक बालिका के साथ हुई छेड़खानी की घटना के बाद थाना प्रभारी द्वारा आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज नहीं करने के मामले में बाल अधिकार कार्यकर्ता एवं कांग्रेस नेता डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने मन्दसौर पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद से मांग की है कि ऐसे थाना प्रभारी को तत्काल थाने हटाया जावे एवं दोषियों पर कठोर कार्यवाही की जावे। डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि ऐसी घटनाओं पर पर्दा डालने वाले पुलिस अधिकारियों पर भी कठोर कार्यवाही होनी चाहिए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मंदसौर

महू-नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मंदसौर, E-mail-: eephedmas@mp.nic.in

NIT NO. 04/2024-25

क्रमांक-923/व.ले.लि./का.यं./2025 मंदसौर, दिनांक - 29.04.2025

निम्नलिखित कार्य आमंत्रण सूचना वेबसाईट www.mptender.gov.in पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

टेण्डर आई. डी.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्रमांक	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2025_PHED_420048_1	मंदसौर जिले के विकासखंड मल्हारगढ़ में हैंडपंप सुधार एवं संधारण कार्य केवल मजदूरी मय हैण्डपंप मेकेनिक कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	929900.00	1. 18598.00 2. चतुर्थ आमंत्रण	12 माह	13.05.2025 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाईन उक्त बेवसाईट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

नोट :- निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाईट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(पी.के. गोगादे)
कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां. खंड, मंदसौर
मोबाईल नं.-07422232190

G-12203/25 दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/670/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-25.04.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक चौहान इंटरप्राईजेस, बिल्लोद दरवाजा, नाहरगढ़, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 01.04.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 30.05.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	सीतामऊ	शक्करखेड़ी	954	2.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर, एम.सेड़ एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30.05.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुन: 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-12225/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in